बीकानेर के छतरगढ़ में डिग्गी में डूबने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत

बताया जा रहा है कि डिग्गी में पांव फिसलने के चलते डूबी बहन को बचाने के प्रयास में तीन भाइयों की भी जान चली गई, परिवार में मातम पसरा

बीकानेर, (निसं)। जिले के छतरगढ़ थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है, जहां दो भाइयों के परिवार के चार बच्चों की डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। सूचना पर छतरगढ़ थानाधिकारी नवनीत सिंह पुलिस जाब्ते सहित मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू की।

- **डिग्गी में पानी काफी गहरा होने के कारण वे तैरकर बाहर नहीं निकल सके और पानी में डूब गए, काफी देर तक चारों वापस घर नहीं लौटे**
- **एक ही घर के तीन सगे भाई-बहनों और उनके रिश्तेदार की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे गांव में चूल्हे तक नहीं जले**

थानाधिकारी सिंह ने बताया कि 9 एडब्लूएम निवासी दो सगे भाई रमेश व कालूराम के बच्चों की जान चली गई। जानकारी के अनुसार चारों युवा और बच्चे किसी काम से घर के पास बनी पानी की डिग्गी के पास गए थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने और पैर फिसलने के कारण चारों एक-एक कर डिग्गी के गहरे पानी में जा गिरे। डिग्गी में पानी काफी गहरा होने के कारण वे तैरकर बाहर नहीं निकल सके और पानी में डूब गए। काफी देर तक जब चारों वापस घर नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई। तलाश करते हुए जब परिजन डिग्गी के पास पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। मशक्कत के बाद ग्रामीणों और पुलिस की मदद से चारों को डिग्गी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि रमेश कुमार की 14 वर्षीय बेटी पूजा डिग्गी में पांव फिसलने के चलते डूब गई, जिसे बचाने के लिये उसके सगे भाई 18 वर्षीय मुकेश,16 वर्षीय मनोज के साथ कालूराम का बेटा 21 वर्षीय निर्मल भी डिग्गी में उतर गये, लेकिन अपनी बहन को नहीं बचा पाए, बल्कि जान बचाने के प्रयास में तीनों भाईयों की भी जान चली गई। एक ही परिवार के चार बच्चों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने चारों शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है। एक ही घर के तीन सगे भाई-बहनों और उनके रिश्तेदार की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे 9 एडब्लूएम गांव में चूल्हे तक नहीं जले और ग्रामीण शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे रहे। छत्तरगढ़ थाना पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज कर हादसे के कारणों की आगे की जांच शुरू कर दी है।

10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में दस साल बाद बदलाव

- **विद्यार्थियों को पारंपरिक कापियों के स्थान पर अब 40 सवालों की कोडिंग वाली नई उत्तर पुस्तिकाएं मिलेंगी, बोर्ड ने इस संबंध में बीकानेर सहित राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और परीक्षा केंद्रों को दिशा-निर्देश भिजवाए**

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) ने वर्ष 2027 की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के पैटर्न में बदलाव किया है। बोर्ड परीक्षाओं में अब विद्यार्थियों को पारंपरिक कापियों के स्थान पर 40 प्रश्नों की कैजिंग (कोडिंग) वाली नई मुख्य उत्तर पुस्तिकाएं दी जाएंगी। बोर्ड के मुख्य नियंत्रक (परीक्षा) द्वारा 6 नवंबर को जारी आदेश के अनुसार यह नई व्यवस्था केवल सैद्धांतिक परीक्षाओं में लागू की जाएगी। बोर्ड ने इस संबंध में बीकानेर सहित राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) और परीक्षा केंद्रों को दिशा-निर्देश भिजवा दिए हैं।

बोर्ड के नए आदेश के अनुसार यदि कोई परीक्षार्थी मुख्य उत्तर पुस्तिका पूरी भरने के बाद अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका की मांग करता है तो उसे केंद्र पर पहले से उपलब्ध 8 पृष्ठीय पुरानी अतिरिक्त उत्तर पुस्तिकाएं दी जा सकेंगी। यानी नई कोडिंग व्यवस्था केवल मुख्य उत्तर पुस्तिका के लिए ही प्रभावी रहेगी। जबकि एक्स्ट्रा कॉपियों में पुराना पैटर्न ही जारी रहेगा। बोर्ड ने यह सख्त निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों पर गत वर्षों की बची हुई मुख्य उत्तर पुस्तिकाएं (चाहे वे बार कोड सहित हों या बार कोड रहित) इस बार की बोर्ड परीक्षाओं में किसी भी परिस्थिति में काम में नहीं ली जाएंगी।

रामगोपाल शर्मा, डीईओ, माध्यमिक शिक्षा का कहना है कि बदलाव हमेशा सुधार के लिए होता है। इस बदलाव से कॉपियां अच्छी आएंगी। जांचने में भी मदद मिलेगी। छात्रों के लिए भी सुविधा रहेगी। हालांकि अभी सर्कुलर आया है। इंप्लीमेंट होगा तब और चीजें सामने आएंगी।

बोर्ड ने उत्तर पुस्तिकाओं के रखरखाव को लेकर स्पष्ट किया है कि इस वर्ष प्राप्त नई 40-प्रश्नों वाली कॉपियों में से यदि कोई स्टॉक बच जाता है तो उसे बोर्ड मुख्यालय वापस नहीं भेजा जाएगा। केंद्र अधीक्षक इन्हें अगले वर्ष के उपयोग के लिए अपने स्टॉक रजिस्टर में दर्ज कर सुरक्षित रखेंगे। इसी प्रकार 8 पृष्ठीय बची हुई अतिरिक्त उत्तर पुस्तिकाओं को भी अगले साल के लिए सुरक्षित रखना होगा। माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रवेशिका तथा वरिष्ठ उपाध्याय की नई उत्तर पुस्तिकाएं बोर्ड द्वारा पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित ट्रांसपोर्ट स्टेशनों पर भिजवाई जा रही हैं। बोर्ड प्रशासन ने सभी केंद्र अधीक्षकों को आदेश की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैसलमेर के तनोट माता मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी, सीमा सुरक्षा बल राजस्थान फ्रंटियर के आईजी डॉ. विकास पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बीएसएफ के अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पहले बीएसएफ के जवानों ने मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

फंदे पर व्यक्ति का शव लटका मिला

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के प्रतापनगर में एक व्यक्ति का शव घर की ऊपरी मंजिल के कमरे में फंदे पर लटका मिला। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हरिश्चंद्र पंचाल के रूप में हुई है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाने के एसआई चंदूलाल ने बताया कि हरिश्चंद्र के बेटे अजय पंचाल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि हरिश्चंद्र पंचाल परिवार के साथ खाना खाने के बाद सो गए थे। सुबह परिजनों ने देखा तो वे अपने बिस्तर पर नहीं थे। इसके बाद आसपास के लोगों को सूचना देकर उनकी तलाश शुरू की गई। तलाश के दौरान वे घर की ऊपरी मंजिल के कमरे में फंदे पर लटका मिला।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मदद से हरिश्चंद्र को अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है।

सामोद के कानपुरा गांव में करंट से एक युवक की मौत, दो घायल

घायल युवक जयपुर रेफर, तीनों एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं

चौमूं/कालाडेरा/सामोद, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के सामोद थाना क्षेत्र के महार कलां इलाके के कानपुरा गांव में बुधवार को करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। भैयादूज के दिन हुए इस हादसे से परिवार में पर्व की खुशियां मातम में बदल गईं।

- **भैयादूज के दिन हुए इस हादसे से परिवार में पर्व की खुशियां मातम में बदल गई**
- **बताया गया है कि हादसा घर के पास लगे ट्रांसफार्मर के तार के संपर्क में आने से हुआ**

तीनों युवकों के करंट की चपेट में आने की सूचना पर सामोद थानाधिकारी हेमराज गुर्जर मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे। घायलों को चौमूं के निजी हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने कानपुरा निवासी हेमेन्द्र यादव (23) पुत्र रामेश्वरलाल यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल कृष्ण कुमार (27) पुत्र कालूराम और कृष्ण कुमार (32) पुत्र कजोड़मल का अस्पताल में इलाज किया गया। हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जयपुर रेफर कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार मौके के निरीक्षण के मुताबिक हादसा घर के पास लगे ट्रांसफार्मर के तार के संपर्क में आने से हुआ। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। सामोद थानाधिकारी हेमराज सिंह गुर्जर ने मृतक हेमेन्द्र यादव के शव को चौमूं सरकारी अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया। उसके बाद परिजनों के आने पर मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

कोटा जिले में दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर पुलिस टीम ने दो अलग-अलग मामलों में नाबालिग बालिकाओं को भगाकर ले जाने व दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शहर में अपहृता बालिकाओं की दस्तयाबी व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें समस्त थानाधिकारी को टीम गठित करने के निर्देश दिये गये हैं। शहर एसपी ने बताया कि शहर के एक थाने में पहला मामला 26 अक्टूबर को दर्ज हुआ था,जिसमें फरियादीया ने रिपोर्ट में कहा कि वह नवीं कक्षा में पढ़ती है, उसकी इंस्टाग्राम पर मनीष यादव से दोस्ती हुई और वह उससे बातचीत करती थी। रिपोर्ट में कहा कि बातचीत करने की बात को लेकर मां की डांट के बाद वह मनीष के साथ झालावाड़ चली गई, जहां पर मनीष ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वहीं दूसरा मामला 8 नवम्बर को दर्ज हुआ था, जिसमें फरियादी ने रिपोर्ट दी, रिपोर्ट में कहा कि उसकी नाबालिग 14 वर्षीय बेटी अपने साथ अपने दस्तावेज लेकर गयी है। उसको शक है कि उसकी बेटी को रवि नायक व विक्की बहला-फुसलाकर ले गये हैं।

शहर एसपी ने कहा कि मामला सामने आने के बाद मामले में कार्रवाई को लेकर पुलिस उप-अधीक्षक उदय सिंह के सुपरविजन मे थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए अपहर्ता नाबालिग बालिकाओं को तकनीकी व मुखबिर तंत्र की सहायता से दस्तयाब किया। टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी मनीष यादव (20) एवं वांछित आरोपी रवि नायक (24) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

अजमेर जिले के दो थाना क्षेत्रों से किशोरी और युवती लापता

अजमेर, (निसं)। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में किशोरी और युवती के लापता होने के मामले सामने आए हैं। मांगलियावास थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोरी घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने तलाश की तो घर में रखे 1 लाख 80 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर भी गायब मिले। परिजनों ने एक युवक पर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है।

वहीं, सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में अपनी बहन के घर आई 24 वर्षीय युवती अचानक बिना बताए चली गई। काफी तलाश के बाद भी दोनों का कोई सुराग नहीं लगने पर परिजनों ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मांगलियावास थाना पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय किशोरी 4 नवंबर की रात परिवार के सदस्यों के साथ घर में सोई थी। सुबह जब परिजन जागे तो किशोरी नहीं मिली। पहले परिवार ने आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने घर में रखे सामान की जांच की तो संदूक में रखे बैग से सोने का ताबीज, रखड़ी, नाक की बाली, करीब आधा किलो चांदी की कणकती और 1 लाख 80 हजार रुपए नकद गायब मिले। परिजनों ने एक युवक पर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताते हुए पुलिस को रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरा मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का है। पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार 24 वर्षीय युवती 25 अक्टूबर को अपनी बहन के घर आई थी। वह 8 नवंबर को अचानक बिना किसी को बताए वहां से चली गई। काफी समय तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और परिचितों से पूछताछ के बावजूद युवती का कोई पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

बीसलपुर बांध में मछली पकड़ते छह जने गिरफ्तार

टोंक/देवली, (निसं)। देवली पुलिस ने बीसलपुर बांध में बिना लाइसेंस मछली पकड़ने के आरोप में 6 आरोपियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 35 किलो मृत मछलियां, दो नाव, दो बड़े प्लास्टिक जाल और आठ रस्सियां जब्त की हैं।

जानकारी के अनुसार बुधवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम ने देवली थाना क्षेत्र के नेगड़िया चौराहे के पास कुछ लोगो को नावों से बांध में अवैध रूप से मछली पकड़ते हुए देखा तो पुलिस ने उनसे वैध लाइसेंस और अनुज्ञापत्र मांगे गए, लेकिन उनके पास से दस्तावेज नहीं मिलने के कारण आरोपी चुमन सहनी, धनही सहनी, देवेंद्र सहनी, जेलेश्वर सहनी और सुनील सहनी जो गांव ढबोलिया, थाना मधुबन और पिपरा, जिला पूर्वी चंपारण बिहार के निवासी को गिरफ्तार करमामला दर्ज कर जांच प्रारम्भ की है।

अजमेर की आनासागर झील में अज्ञात महिला का शव तैरता मिला

आधे घंटे की मशक्कत के बाद महिला के शव को बाहर निकाला

अजमेर, (निसं)। शहर की आनासागर झील में बुधवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब पानी में एक महिला का शव तैरता दिखाई दिया। बारादरी की तरफ घूमने पहुंचे पर्यटकों ने सबसे पहले शव को देखा और इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। कुछ ही देर में मौके पर स्थानीय लोगों और पर्यटकों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। झील में शव होने के कारण सिविल डिफेंस टीम और गोताखोरों को बुलाया गया। टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद महिला के शव को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने शव को जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों के आधार पर उसकी शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

- **बारादरी घूमने पहुंचे पर्यटकों ने देखा शव, पहचान के लिए गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस**

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर बारादरी क्षेत्र में घूम रहे पर्यटकों की नजर झील में तैर रहे शव पर पड़ी। महिला का शव पानी में उल्टी अवस्था में दिखाई दे रहा था। यह देखकर पर्यटकों ने आसपास मौजूद लोगों को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे कोतवाली थाने के एएसआई रामदेव ने पुलिस जाब्ते के साथ स्थिति का जायजा लिया और बचाव दल को बुलाया।

पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र और पहचान फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। महिला ने साड़ी, ब्लाउज और दुपट्टा पहन रखा था। उसके हाथों में चूड़ियां भी थीं। शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन तत्काल उसकी पहचान नहीं हो पाई। महिला की शिनाख्त के लिए पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। इसके अलावा महिला की तस्वीर अन्य थानों और सोशल मीडिया समूहों में भेजकर पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। फिलहाल महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं है। हादसा, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से मौत होने की आशंका को लेकर स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप

युवती कशीश की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी

हिण्डौन सिटी, (निसं)। पीलू वाली मस्जिद के पास रहने वाली 20 वर्षीय विवाहिता कशीश खान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कशीश की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी। घटना के बाद पीहर पक्ष ने पति सलमान और ससुराल के कुछ अन्य लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दहेज हत्या से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना पुलिस ने बुधवार को जयपुर से पहुंचे पीहर पक्ष की मौजूदगी में जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवाया।

- **कोतवाली थाना पुलिस ने जयपुर से पहुंचे पीहर पक्ष की मौजूदगी में जिला अस्पताल की मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम कराया**

थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि कशीश के पिता इसराईल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह जयपुर के खो नागरिया स्थित करीम नगर के रहने वाले हैं। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद से ही पति सलमान और ससुराल पक्ष के अन्य लोग दहेज में बाइक की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर कशीश को परेशान किया जाता था। पिता इसराईल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने मजदूरी करके अपनी चार बेटियों का पालन-पोषण किया। दूसरी बेटी कशीश की शादी में भी काफी खर्च किया था। करीब 6 महीने पहले कशीश की शादी हिंडौन में पीलू वाली मस्जिद के पास रहने वाले सलमान से हुई थी। परिजनों के मुताबिक, कशीश 4 नवंबर को जयपुर स्थित अपने मायके आई थीं। इसके बाद 6 नवंबर को वापस हिंडौन लौट गई थीं। 10 नवंबर को दोपहर करीब 2:30 बजे एक पड़ोसी ने फोन कर पिता को कशीश की फांसी से मौत होने की सूचना दी। इसके बाद परिजन हिंडौन पहुंचे, जहां कशीश का शव जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में मिला।

परिजनों ने बताया कि कशीश की मां मुन्नी की करीब नौ साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद पिता इसराईल ने ही चारों बेटियों की जिम्मेदारी संभाली और उनका पालन-पोषण किया। पोस्टमार्टम के दौरान पीहर पक्ष की कई महिलाएं भी अस्पताल में मौजूद रहीं। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। ससुराल पक्ष पर लगाए गए आरोपों की जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरी के पैसों को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडे चले

हिण्डौन सिटी, (निसं)। महमदपुरिया के पुरा गांव में बुधवार दोपहर मजदूरी के बकाया पैसों को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद झगड़े में बदल गया और दोनों पक्षों के लोगों के बीच लाठी-डंडों और पत्थरों से मारपीट हुई। घटना में 10 साल की बालिका सहित 12 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को हिंडौन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर कोतवाली थाने के एएसआई दिनेश चंद पुलिसकर्मियों के साथ अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से घटना की जानकारी ली। दिनेश चंद ने बताया कि एक पक्ष के सारिका, मिथलेश, अमर सिंह महावर, गायत्री, रूपसिंह, विक्की, लेखराज, सूरज और आरती घायल हुए हैं। दूसरे पक्ष के बीरवल महावर, जमनी और कल्याण चंद उर्फ तुहीराम को चोटें आई हैं। बीरवल के सिर में चोट लगने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया।

- **पांच महिलाओं समेत 12 लोग गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती कराया**

घायल अमर सिंह ने बताया कि दूसरे पक्ष के लोगों के पास उनकी मजदूरी के पैसे कई साल से बकाया हैं। उनका आरोप है कि जब उन्होंने अपने पैसे मांगे तो दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों पर भी लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया गया। ड्यूटी डॉक्टर अवधेश सोलंकी और नंद मोहन सुमन ने बताया कि अमर सिंह, लेखराज और सूरज के सिर में चोट आई है। अन्य घायलों के शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोटें हैं। सभी का अस्पताल में उपचार जारी है।

कोटा में हथियार के साथ आरोपी को पकड़ा

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार तलवार सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं गुमानपुरा थाना इलाके की थोक फल-सब्जीमंडी में बदमाशों द्वारा तलवार लहराते हुए दहशत फैलाने का मामला सामने आया है।

गुमानपुरा थानाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि थाने के उप निरीक्षक चन्द्रभान सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान पुलिस टीम को पुरानी दूध फैक्ट्री रामचन्द्रपुरा छावनी में एक संदिग्ध युवक द्वारा तेज धारदार तलवार लहराने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर घबराकर कुछ छिपाते हुए तेजी से जाने लगा। पुलिस टीम ने मौके पर संदिग्ध व्यक्ति को डिटेन कर उसके पास से अवैध तेज धारदार तलवार बरामद की, पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए विज्ञान नगर निवासी शाहरूख (22) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह मंडी में काम करता है और आए दिन झगड़े होने के डर से वह तलवार साथ लेकर घूमता था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

भीम के छिपाला बिछुड़ा गांव में खेत पर जाते समय परिवार पर हमला

मारपीट में पिता-पुत्र सहित तीन जने घायल

भीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के छिपाला बिछुड़ा गांव में खेत की ओर जा रहे एक व्यक्ति और उसके परिजनों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर भीम थाना पुलिस ने आठ जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पुलिस ने आठ जनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की**

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार बिछुड़ा निवासी इंद्र सिंह (55) पुत्र धन्ना सिंह ने बताया कि 10 नवंबर को सुबह करीब 10 बजे वह मोटरसाइकिल से घर से खेत की तरफ जा रहा था। इस दौरान उसका भाई बलवीर सिंह और पुत्र लोकेश सिंह भी पैदल पीछे आ रहे थे। आरोप है कि छिपाला गांव के पास पहुंचने पर कुछ लोगों ने रास्ता रोक लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। परिवादी के अनुसार आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की तथा बीच-बचाव करने आए उसके भाई और पुत्र को भी चोटें पहुंचाईं। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि हमले में इंद्र सिंह, बलवीर सिंह और लोकेश सिंह घायल हो गए। मारपीट के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और घायलों का मेडिकल करवाने की मांग की। परिवादी की रिपोर्ट पर भीम थाना पुलिस ने वन्ना सिंह सहित आठ जनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।